भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

01.04.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 6148 का उत्तर

एबीएसएस के अंतर्गत केरल का आलुवा रेलवे स्टेशन

6148. श्री बैन्नी बेहनन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत केरल के आलुवा रेलवे स्टेशन को शामिल करने पर विचार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार ने उक्त रेलवे स्टेशन को इस योजना से बाहर करने से पहले यात्रियों की संख्या और अवसंरचना संबंधी आवश्यकताओं के संबंध में कोई मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का विचार कोच्चि मेट्रो रेल से जुड़े एक मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में उक्त रेलवे स्टेशन के महत्व को ध्यान में रखते हुए इसे एबीएसएस में शामिल करने पर पुनर्विचार करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): केरल में स्थित आलुवा स्टेशन पर उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, यूरिनल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पैदल पार पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पैदल पार पुल आदि का कार्य हाल के वर्षों में पूरा किया गया है। लिफ्ट, जलापूर्ति व्यवस्था, नए प्रबलित सीमेंट कंक्रीट ओवरहेड टैंक और दिव्यांगजनों के लिए पानी के नल का कार्य शुरू किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्यों को स्टेशन की कोटि/अवस्था/यातायात की सम्हलाई आदि के आधार पर क्रियान्वित किया जाता है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणों में कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार**
- **रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण**
- **रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था**
- **लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था**
- **प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था**
- **पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण**

- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान; गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की परिकल्पना भी की गई है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1338 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 35 स्टेशन केरल में स्थित हैं। केरल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरल	35	आलप्पुष़ा, अंगादिपुरम, कालडि के लिए अंगमाली, चालकुडी, चेंगनास्सेरी, चेंगन्नूर, चिरायिंकीझ, एर्नाकुलम, एर्नाकुलम टाउन, एट्टूमनूर, फेरोक, गुरुवायूर, कन्नूर, कासरगोड, कायमकुलम जंक्शन, कोल्लम जंक्शन, कोझीकोड, कुट्टिपुरम, मवेलीकारा, नेय्याट्टिनकारा, नीलांबुर रोड, ओट्टापलम, परप्पनंगडी, पय्यानूर, पुनालुर, शोरानूर जंक्शन, थालास्सेरी, तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, त्रिशूर, तिरुर, तिरुवल्ला, त्रिपुनिथुरा, वडकारा, वर्कला शिवगिरी, वडकांचेरी

स्टेशन जहां कार्य पूरे किए जा चुके हैं:

केरल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास के कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, 13 स्टेशनों का निर्माण-कार्य पूरा हो चुका है। केरल में पूरे किए जा चुके स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरल	13	कलाडी के लिए अंगामाली, चालकुडी, चेंगनास्सेरी, चिरायिनकीष, फेरोक, कुट्टीपुरम, नीलांबुर रोड, परप्पनंगडी, शोरानूर जंक्शन, थालास्सेरी, त्रिपुनिथुरा, वडकारा, वडकांचेरी

अन्य स्टेशनों पर भी विकास संबंधी गतिविधियों के लिए कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों के कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

- **अंगादिपुरम स्टेशन: प्रथम प्रवेश द्वार में प्रांगण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 की प्लेटफॉर्म सतह का कार्य, कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्रथम प्रवेश द्वार की पार्किंग और पहुंच मार्ग, कोच संकेतन बोर्ड, गाड़ी संकेतन बोर्ड और संकेतकों का कार्य पूरा किया जा चुका है। दिव्यांगजनों हेतु सुविधाएं, लिफ्ट और 6 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।**

- **गुरुवायूर स्टेशन: प्लेटफॉर्म शेल्टर, कॉनकोर्स, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार का मेहराब, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, नया विश्राम कक्ष, दिव्यांगजनों हेतु सुविधाएं और ऊपरी पैदल पुल में सुधार का कार्य शुरू किया गया है।**

- **पय्यानूर स्टेशन: प्रांगण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म संख्या 2 और 3 की ऊंचाई बढ़ाने, कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, द्वितीय प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र, पार्किंग,**

कोच संकेतन बोर्ड और गाड़ी संकेतन बोर्ड को बेहतर बनाने का कार्य शुरू किया गया है। स्टेशन भवन, प्रथम प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, लिफ्ट और 6 मीटर ऊपरी पैदल पुल में सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।

- **तिरूर स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, प्रथम प्रवेश द्वार पर प्रांगण, कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म संख्या 1 की ऊंचाई बढ़ाना और प्लेटफॉर्म सतह का कार्य, प्लेटफॉर्म शेल्टर, बुकिंग कार्यालय, शौचालय, विश्राम कक्ष में सुधार कार्य, प्रथम प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य, द्वितीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग, लिफ्ट, संकेतक, ऊपरी पैदल पुल में सुधार कार्य, कोच संकेतन बोर्ड, गाड़ी संकेतन बोर्ड, द्वितीय प्रवेश द्वार पर लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य पूरा किया जा चुका है। द्वितीय प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र, प्रथम प्रवेश द्वार पर पार्किंग और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

स्टेशनों का चयन क्षेत्रीय रेलों से प्राप्त प्रस्तावों, प्रमुख शहरों और पर्यटन तथा तीर्थ महत्व के स्थानों में स्थित स्टेशनों के आधार पर किया जाता है।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। केरल दक्षिण रेलवे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है। इस जोन के लिए, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,125 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (फरवरी, 2026 तक) 1,108 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया जा चुका है।

******